Edit with WPS Office

पाठ - 13

आज्ञाकारी आरूणि

विधा - पौराणिक कहानी

शब्दार्थ - कॉपी कार्य

प्राचीन - पुराना,पुरातन

प्रधान - मुख्य

भयंकर - तेज़

सोचो और बताओ- कापी कार्य

प्र०(क) धौम्य नामक ऋषि कहाँ रहते थे?

उत्तर - धौम्य नाम के ऋषि तक्षशिला नामक नगरी में रहते थे।

प्र०(ख) आरुणि कैसा शिष्य था?

उत्तर - आरुणि बहुत ही आज्ञाकारी शिष्य था।

प्र०(ग) आरुणि वापस क्यों नहीं लौटा?

उत्तर - आरुणि कटी मेड़ का पानी बंद न होने पर वहीं कटी मेड़ की जगह स्वयं लेट गया था

इसलिए नहीं लौटा था।

प्र०(घ) इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है?

उत्तर - इस कहानी से हमें यही शिक्षा मिलती है कि गुरुजनों की आज्ञा का पालन हर से करना चाहिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दो-कापी कार्य

प्र०(क) तक्षशिला में कौन-से प्रसिद्ध ऋषि रहते थे?

उत्तर - तक्षशिला में धौम्य नामक प्रसिद्ध ऋषि रहते थे।

प्र०(ख) धौम्य ऋषि के कितने शिष्य थे? उनके नाम लिखो।

उत्तर - धौम्य ऋषि के तीन शिष्य थे। आरुणि, उपमन्यु और वेद।

प्र०(ग) गुरु ने आरुणि को किस कार्य के लिए भेजा था?

उत्तर - गुरु ने आरुणि को खेत की कटी मेड़ को बाँधने के लिए भेजा था।

प्र०(घ) पानी का बहाव रोकने के लिएआरुणि ने क्या किया?

Edit with WPS Office

उ० पानी का बहाव रोकने के लिए आरुणि स्वयं मेड़ में लेट गया।

प्र०(छ) आचार्य ने आरुणि को क्या आशीर्वाद दिया?

उ० आचार्य ने प्रसन्न होकर आरुणि को आशीर्वाद दिया कि "तुम्हारा कल्याण हो और सारे वेद और धर्मशास्त्र तुम्हें ज्ञात हो जाएँ।"